Library

School of Planning and Architecture, Bhopal

S.No.1 सितम्बर, 2022

एसपीए में दो दिनों की कैलिग्राफी वर्कशॉप शुरू, हिंदी में उकेरे खूबसूरत अक्षर

# कैनवास पर बिछाया महीन लाइनों का जाल नजर आई काले सफेद अक्षरों की कारीगरी

**वर्कशॉप**

सिटी रिपोर्टर . भोपाल

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) में स्टूडेंट्स कैनवास और कागजों पर खूबसूरत रंग उकेरते नजर आए। कहीं सिर्फ लिखावट के कारण हिंदी भाषा संस्कृत सी नजर आ रही थी, तो किसी कैनवास को देखकर लगता था कि महीन लाइनों का जाल सा बिछा हुआ है। काले और सफेद से रंग हुई इस अक्षरों की कारीगरी को सिखाने भोपाल आए थे मुंबई के कैलीग्राफी आर्टिस्ट कल्पेश गोस्वामी। कल्पेश ने कहा कि हाथों से खत लिखने का चलन खत्म होने के बाद लोगों ने यह मान लिया कि अब कैलीग्राफी का स्कोप भी समाप्त हो गया है, लेकिन ऐसा नहीं है। आज लोगो डिजाइनिंग, ब्रैंडिंग, हॉस्पिटल से लेकर एयरपोर्ट तक कैलीग्राफी की मांग है। बच्चों की किताबों में खासतौर पर अब हैंडराइटिंग जैसी दिखने वाली कैलीग्राफी की डिमांड बढ़ रही है।

## प्रोडक्ट का ऐटिट्यूड झलकना चाहिए...

कल्पेश ने यहां कैलीग्राफी के टूल्स से स्टूडेंट्स को परिचित कराया और उन्हें तरह-तरह से अक्षरों को लिखने का टास्क दिया। कल्पेश ने 5 फिट के बड़े कैनवास पर अक्षरों को रोलर ब्रश और फोम ब्रश से लेटर्स को बनाकर दिखाया। समझाया कि किसी भी प्रोडक्ट के लिए कैलीग्राफी लिखते समय उसमें आपका नहीं बल्कि उस प्रोडक्ट का ऐटिट्यूड झलकना चाहिए। किसी हाईस्पीड बाइक के लेटर्स शार्प और स्पीड को दिखाते हुए थोड़ी तिरछे बनेंगे, बच्चों की किताब के अक्षर क्यूट और नॉन-सिमेट्रिक काफी हद तक हैंडराइटिंग से मिलते हुए। उन्होंने स्टूडेंट्स की हिचक दूर की और उन्हें बारीकी से समझाया।